निर्माण एवं अवसंरचना उपकरण (CIE) विनिर्माण योजना: ₹11,000 करोड़

करेंट अफेयर्स | 26 नवंबर 2026 | pcsmantra.in



मौलिक सांकेतिक चित्र

क्यों चर्चा में?

25 नवंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "निर्माण एवं अवसंरचना उपकरण (CIE) विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र संवर्धन योजना" को ₹11,000 करोड़ के परिव्यय के साथ मंज़ूरी दी। [1] इसे भारी उद्योग मंत्रालय (MHI) लागू करेगा। योजना का लक्ष्य टनल बोरिंग मशीन, हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर, शिप-टू-शोर क्रेन और ऑफ़-हाइवे ट्रक जैसे उन्नत उपकरणों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयात-निर्भरता घटाना है। [1]

पृष्ठभूमि

PIB के अनुसार भारत का CIE उद्योग दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है, चीन और अमेरिका के बाद। वित्त वर्ष 2024-25 में इसका बाज़ार लगभग ₹97,500 करोड़ का था और 2029-30 तक इसके लगभग ₹2,28,100 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है, यानी दोगुने से अधिक। [1] सड़कों, बंदरगाहों और आवास में तेज़ वृद्धि इसकी वजह है। कैबिनेट ब्रीफ़िंग दस्तावेज़ के अनुसार इस बाज़ार का लगभग 45% हिस्सा आयात पर निर्भर है। [2]

मुख्य बिंदु

- **अवधि:** कुल आठ वर्ष, वित्त वर्ष 2026-27 से। पहले दो वर्ष (2026-27 व 2027-28) विनिर्माण इकाइयाँ लगाने के लिए, फिर पाँच वर्ष (2028-29 से 2032-33) प्रोत्साहन वितरण के, और अंतिम वर्ष (2033-34) 2032-33 की वृद्धिशील बिक्री के प्रोत्साहन के निपटान के लिए। [1]
- **घटक 1, बिक्री-आधारित प्रोत्साहन:** पात्र मूल उपकरण निर्माताओं (OEM) और घटक निर्माताओं को वृद्धिशील बिक्री मूल्य पर 13% से 8% तक श्रेणीबद्ध प्रोत्साहन, पाँच वर्ष तक। [1]

- **घटक 2, परीक्षण केंद्र:** ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (ARAI) को एक समर्पित अत्याधुनिक CIE परीक्षण सुविधा स्थापित करने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (VGF) के रूप में ₹375 करोड़ तक का अनुदान, ताकि भारत में बने उपकरणों का परीक्षण और प्रमाणन यहीं हो सके। [2]
- **लक्षित उपकरण:** PIB कैबिनेट ब्रीफ़िंग के अनुसार योजना पूरी या बड़ी हद तक आयातित सात श्रेणियों को सम्मिलित करती है: टनल बोरिंग मशीन, ऑफ़-हाइवे ट्रक, एक्सकेवेटर, क्रेन, लोडर, पाइलिंग रिग और ड्रिलिंग मशीनें। इसके साथ इंजन, ट्रांसमिशन, हाइड्रोलिक प्रणाली, अंडरकैरिज और ड्राइव सिस्टम जैसी पाँच घटक श्रेणियाँ भी शामिल हैं। [2]
- **अपेक्षित परिणाम:** कैबिनेट ब्रीफ़िंग के अनुसार योजना अवधि में लगभग ₹21,000 करोड़ का निवेश और लगभग ₹22,500 करोड़ का आयात-प्रतिस्थापन अपेक्षित है। [2]

महत्व और चुनौतियाँ

महत्व: PIB के अनुसार योजना आपूर्ति-शृंखला सुरक्षा बढ़ाएगी, रोज़गार के अवसर बनाएगी और आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी। [1] (हमारा विश्लेषण: सड़क, मेट्रो और बंदरगाह परियोजनाओं में स्वदेशी मशीनें उपलब्ध होने से लागत और देरी का जोखिम घटता है। बिक्री से जुड़ा प्रोत्साहन उत्पादन बढ़ाने पर ही मिलेगा, इसलिए घरेलू मूल्य-संवर्धन बढ़ने की उम्मीद है।)

चुनौतियाँ: विशेष मशीनों के लिए कुशल श्रम, अनुसंधान एवं विकास और घटकों का स्थानीय तंत्र चाहिए, वरना असेंबली भर भारत में होगी और मूल्य-संवर्धन कम रहेगा। आगे की राह में घटक निर्माण पर ज़ोर, सार्वजनिक ख़रीद से स्थिर माँग, कौशल विकास और योजना का स्वतंत्र मूल्यांकन शामिल हैं।

परीक्षा के लिए मुख्य तथ्य

बिंदु	तथ्य
योजना का परिव्यय	₹11,000 करोड़
कार्यान्वयन	भारी उद्योग मंत्रालय (MHI)
अवधि	8 वर्ष (2026-27 से 2033-34)
प्रोत्साहन दर	वृद्धिशील बिक्री का 13% से 8% (5 वर्ष)
परीक्षण केंद्र	VGF अनुदान, अधिकतम ₹375 करोड़ (ARAI को) [2]
7 उपकरण श्रेणियाँ	टनल बोरिंग मशीन, ऑफ़-हाइवे ट्रक, एक्सकेवेटर, क्रेन, लोडर, पाइलिंग रिग, ड्रिलिंग मशीनें [2]
भारत का CIE बाज़ार	2024-25 में ~₹97,500 करोड़; विश्व में तीसरा
अनुमान	2029-30 तक ~₹2,28,100 करोड़
अनुमोदन की तारीख़	25 नवंबर 2026

अभ्यास प्रश्न (प्रिलिम्स)

प्रश्न: निर्माण एवं अवसंरचना उपकरण (CIE) विनिर्माण योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. इसे भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा लागू किया जाएगा। 2. इसमें CIE परीक्षण सुविधा के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के रूप में अनुदान का प्रावधान है। 3. इसके अंतर्गत प्रोत्साहन कुल बिक्री पर नहीं, बल्कि केवल निर्यात पर दिया जाएगा।

कौन-से कथन सही हैं? (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: योजना भारी उद्योग मंत्रालय (MHI) लागू करेगा। [1]

कथन 2 सही है: समर्पित CIE परीक्षण सुविधा के लिए ₹375 करोड़ तक का VGF अनुदान (ARAI को) है। [2]

कथन 3 ग़लत है: प्रोत्साहन पात्र CIE उपकरणों और घटकों की वृद्धिशील बिक्री मूल्य पर है, केवल निर्यात पर नहीं। [1]

मेंस प्रश्न (GS-III, 15 अंक)

पूँजीगत वस्तुओं के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना अवसंरचना विकास और आर्थिक सुरक्षा के लिए क्यों आवश्यक है? CIE विनिर्माण योजना के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में:

CIE योजना (₹11,000 करोड़, भारी उद्योग मंत्रालय) और CIE बाज़ार की लगभग 45% आयात-निर्भरता का संदर्भ दें। [1] [2]

मुख्य भाग में:

आपूर्ति-शृंखला सुरक्षा, परियोजनाओं में लागत और देरी का जोखिम कम होना, रोज़गार और घरेलू मूल्य-संवर्धन, तथा लगभग ₹21,000 करोड़ निवेश व ₹22,500 करोड़ आयात-प्रतिस्थापन की अपेक्षा जोड़ें। [2]

निष्कर्ष में:

घटक-निर्माण तंत्र, कौशल विकास, अनुसंधान एवं विकास और योजना के स्वतंत्र मूल्यांकन की ज़रूरत बताएँ।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न 1: CIE विनिर्माण योजना में कितना प्रोत्साहन मिलेगा? उत्तर: पात्र निर्माताओं को वृद्धिशील बिक्री मूल्य पर 13% से 8% तक श्रेणीबद्ध प्रोत्साहन पाँच वर्ष तक मिलेगा, साथ में परीक्षण केंद्र के लिए ₹375 करोड़ तक का अनुदान।

प्रश्न 2: योजना कितने समय की है और कब शुरू होगी? उत्तर: कुल आठ वर्ष की, वित्त वर्ष 2026-27 से। प्रोत्साहन वितरण 2028-29 से शुरू होकर पाँच वर्ष चलेगा।

स्रोत

1. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2341171
2. https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2026/nov/doc_10580_20261125_16131201.pdf

यह लेख PCS Mantra की संपादकीय टीम ने उपर्युक्त स्रोतों के आधार पर अपने शब्दों में लिखा है। परीक्षा से पहले आधिकारिक अधिसूचनाएँ ज़रूर जाँच लें। कवर इमेज प्रतीकात्मक है।

PCSMANTRA.IN